# पावन स्मृति

21 अक्टूबर, 2019

# पुलिस स्मृति दिवस

# 2019

**21 अक्टूबर, 2019**

**आनंदीबेन पटेल**
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

**राज भवन**
लखनऊ–226 027
09 अक्टूबर, 2019

# संदेश

अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए देश एवं प्रदेश के सभी शहीद पुलिसजनों को मैं 'पुलिस स्मृति दिवस–2019' के अवसर पर अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

देश एवं प्रदेश में कानून–व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आज अपराधी नये–नये ढंग से अपराधों को अंजाम दे रहे हैं ऐसे में पुलिस की चुनौतियाँ और बढ़ जाती हैं। अपने प्राणों का बलिदान करने वाले सभी वीर सपूतों से हम सभी को अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा मिलती है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रकाशित पुस्तिका 'पावन स्मृति' में ऐसी विषय–वस्तु का समावेश किया जायेगा, जो सभी पुलिसजनों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु प्रेरित करेगी।

पुस्तिका 'पावन स्मृति' के सफल प्रकाशन के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

આનંદીબેન

**( आनंदीबेन पटेल )**

**योगी आदित्यनाथ**

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

**लोक भवन,**
विधान सभा मार्ग, लखनऊ

दिनांक : 11 अक्टूबर, 2019

# संदेश

उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दिनांक 21 अक्टूबर, 2019 को अपने वीर शहीदों की पावन स्मृति में 'पुलिस स्मृति दिवस' का आयोजन किया जा रहा है। इस पुनीत अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन सभी पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणाप्रद रहेगा। जिन वीर शहीदों के रक्त की प्रत्येक बूंद से प्रदेश लगातार सशक्त बना है, उन सभी शहीद पुलिसजनों को मेरा कोटिशः नमन।

विगत एक वर्ष की अवधि में अनेक महत्वपूर्ण आयोजनों को जिस प्रकार अपनी निष्ठा एवं समर्पण से प्रदेश के पुलिस बल ने सकुशल सम्पादित कराया है वह अत्यन्त सराहनीय है। प्रयागराज में भव्य एवं दिव्य कुम्भ, वाराणसी में 15वां प्रवासी भारतीय दिवस एवं राज्य में लोकसभा निर्वाचन–2019 का सफलतम आयोजन प्रदेश पुलिस की उच्चतम स्तर की कर्तव्यपरायणता से ही सम्भव हो सका है। इसके लिए सभी पुलिसजन बधाई के पात्र हैं।

प्रदेश को भयमुक्त बनाने के संकल्प में 05 पुलिसकर्मी विगत एक वर्ष में शहीद हुए। अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध अपनी सतत् प्रतिबद्धता के कारण ही विगत वर्ष के सापेक्ष डकैती में 53.7 प्रतिशत, लूट में 44.5 प्रतिशत, हत्या में 14.05 प्रतिशत, बलवा में 38.1 प्रतिशत, बलात्कार में 35.06 प्रतिशत, शीलभंग में 10.21 प्रतिशत तथा अपहरण में 30.43 प्रतिशत की कमी आयी है। अपराध नियंत्रण में जिन वीर

पुलिसजनों ने अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया है, प्रत्येक परिस्थिति में हम सभी उनके परिवार के साथ हैं।

'तस्मादसक्तः सततं कार्यं कर्म समाचर।' हमें कर्मफल में आसक्त हुए बिना अपने कर्तव्य पालन हेतु कर्म करना होगा। सभी वीर शहीदों ने इसी ध्येय में आगे बढ़कर कर्तव्य की वेदी में अपना जीवन समर्पित कर दिया। लोकजीवन एवं लोक व्यवस्था की रक्षा हेतु उनके बलिदान को हम सदैव याद करते रहेंगे। शहीदों का यह बलिदान हमेशा प्रेरित करेगा। मुझे आशा है कि प्रदेश के समस्त पुलिसकर्मी अपने कर्तव्यों के निर्वहन हेतु सदैव तत्पर रहेंगे। शहीदों के प्रति यही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

**( योगी आदित्यनाथ )**

**ओ0पी0 सिंह** आई.पी.एस.
पुलिस महानिदेशक एवं
राज्य पुलिस प्रमुख, उत्तर प्रदेश

**पुलिस महानिदेशक, उ०प्र०**
शहीद पथ, गोमती नगर विस्तार,
लखनऊ –226002
फोन नं.–0522–2724003 / 2390240,
फैक्स नं. 2724009
सीयूजी नं. 9454400101
ई–मेल– police.up@nic.in
वेबसाइट : https://uppolice.gov.in

दिनांक : अक्टूबर 08, 2019

# श्रद्धांजलि

21 अक्टूबर, 1959 को लद्दाख के हॉटस्प्रिंग में, समुद्र तल से लगभग 10 हजार फिट की ऊँचाई पर, चीनी सेना के साथ संघर्ष में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 वीर जवान शहीद हो गये। देश के प्रति उनके महान बलिदान को चिरस्थायी बनाते हुए सम्पूर्ण देश में केन्द्रीय एवं राज्य पुलिस संगठनों द्वारा **'पुलिस स्मृति दिवस'** का आयोजन किया जाता है। 21 अक्टूबर को प्रतिवर्ष उत्तर प्रदेश पुलिस बल के सदस्य विगत एक वर्ष में कर्तव्य पथ पर शहीद हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि देने हेतु स्मृति–दिवस का आयोजन करते हैं।

उत्तर प्रदेश पुलिस के हमारे 05 साथी विगत एक वर्ष की अवधि में अपने कर्तव्य का पालन करते हुए शहीद हो गये। **मुख्य आरक्षी ना0पु0 श्री सुरेश प्रताप सिंह,** जनपद गाजीपुर, **आरक्षी श्री बृजपाल सिंह,** जनपद सम्भल, **आरक्षी श्री हरेन्द्र सिंह,** जनपद सम्भल, **आरक्षी श्री हर्ष चौधरी,** जनपद अमरोहा एवं **निरीक्षक ना0पु0 श्री सुबोध कुमार सिंह,** जनपद बुलन्दशहर ने नागरिक सेवा में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। कर्तव्य के पथ पर इन शहीदों के समर्पण को हमेशा याद रखा जायेगा। हम सभी के लिये यह गर्व का क्षण है कि हमारे बल को कर्तव्य के मार्ग पर शहीद होने वाले ऐसे साथी मिले हैं, जिन्होंने कर्तव्य से पलायन का मार्ग न चुनकर

संघर्ष का मार्ग चुना। पुलिस परिवार ऐसे शहीदों का सदैव ऋणी रहेगा, जिन्होंने अपने आत्मोत्सर्ग से हमारे इतिहास को संवृद्ध किया है।

स्मृतिशेष शहीद पुलिस जनों का परिवार पुलिस बल के प्रत्येक सदस्य का परिवार है। उनके प्रत्येक सुख–दुःख के हम सदैव सहभागी रहेंगे। वीर शहीदों को उत्तर प्रदेश पुलिस की ओर से मैं हृदय से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शपथ लें कि हम सदैव समर्पण एवं त्याग के साथ अपना कर्तव्य पालन करेंगे। संवेदनशील होकर ईमानदारी के साथ लोकजीवन को सुचारू रूप से चलाने में अपना पूर्ण योगदान देंगे। वीर शहीद अपने बलिदान से हमें सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।

**(ओ0पी0 सिंह)**

# पुलिस स्मृति दिवस–2019
# समय–सारणी

| | | |
|---|---|---|
| 1. | मार्का | प्रातः **8.00 बजे** |
| 2. | परेड फाल इन | प्रातः **8.05 बजे** |
| 3. | सैन्य सहायक को परेड का हस्तान्तरण (चार्ज देना) | प्रातः **8.10 बजे** |
| 4. | परेड कमाण्डर को परेड का हस्तान्तरण (चार्ज देना) | प्रातः **8.15 बजे** |
| 5. | पुलिस महानिदेशक का आगमन एवं सलामी | प्रातः **8.20 बजे** |
| 6. | **मा. मुख्यमंत्री जी का आगमन एवं सलामी** | प्रातः **8.25 बजे** |
| 7. | शहीद पुस्तिका का लाया जाना और पुलिस महानिदेशक के माध्यम से मा. मुख्यमंत्री जी द्वारा मंच पर प्रस्थापित किया जाना | प्रातः **8.31 बजे से** |
| | तथा | |
| | पुलिस महानिदेशक द्वारा श्रद्धांजलि अर्पण एवं शहीदों/मृत पुलिसजनों के नामों का पढ़ा जाना, तत्पश्चात् पुस्तिका वापस वाहक को प्रदान किया जाना और शहीद स्मारक तक ले जाया जाना | **8.55 बजे तक** |
| 8. | मा. मुख्यमंत्री जी, पुलिस महानिदेशक एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुष्पचक्र (रीथ) अर्पण | प्रातः **8.55 बजे से 9.05 बजे तक** |
| 9. | शहीदों को सलामी एवं शोक प्रदर्शन तथा लास्ट पोस्ट | प्रातः **9.07 बजे से 9.09 बजे तक** |
| 10. | मा. मुख्यमंत्री जी एवं पुलिस महानिदेशक की मंच पर वापसी | प्रातः **9.09 बजे** |
| 11. | मा. मुख्यमंत्री जी का उद्‌बोधन | प्रातः **9.10 बजे से** |
| 12. | परेड समाप्त (मा. मुख्यमंत्री जी के उद्‌बोधन के उपरान्त) | |

# 21 अक्टूबर सन् 1959 को भारत की उत्तरी सीमा की रक्षा करते हुए शहीद होने वाले वीर जवानों की सूची

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | सी.टी. | ईमान सिंह | प्रथम वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 2. | सी.टी. | पूरन सिंह | प्रथम वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 3. | सी.टी. | नुरबू लामा | प्रथम वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 4. | सी.टी. | बेगराज | द्वितीय वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 5. | सी.टी. | माखनलाल | द्वितीय वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 6. | सी.टी. | शिवनाथ | तृतीय वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 7. | सी.टी. | मनजीत सुबा | तृतीय वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 8. | सी.टी | धरम सिंह | तृतीय वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 9. | सी.टी. | श्रवण दास | तृतीय वाहिनी | सी.आर.पी. |
| 10. | सी.टी. | शेरिंग नुरबू | तृतीय वाहिनी | सी.आर.पी. |

**केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।**

# पुलिस स्मृति दिवस–2019

जनसेवा का उच्च आदर्श हृदयंगम किये अनेकों पुलिस जन प्रति वर्ष कर्तव्यपथ का अनुगमन करते हुये वीरगति को प्राप्त होते रहे हैं। पुलिस जनों के कार्य की प्रकृति ही कुछ ऐसी है कि इसमें कदम–कदम पर जोखिम व जीवनभय सन्निहित है यही कारण है कि प्रतिवर्ष अपने कार्यों को अंजाम देने की प्रक्रिया में पुलिस कर्मी बड़ी संख्या में कर्तव्य की बलिवेदी पर अपनी प्राणाहुतियां देते रहे हैं। अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये जन सेवा के उच्च आदर्श की प्राप्ति में मर–मिटने से भी गुरेज न करने वाले ये पुलिस जन मर कर भी अमर हो जाते हैं। इनकी कीर्ति व यशोगाथा समय के साथ क्षरित नहीं होती अपितु अविरल अनुप्राणित करती रहती है। पुलिस की भावी संततियों को उसी पथ पर द्विगुणित साहस व मनोयोग से आगे बढ़ने के लिये ऐसी एक गाथा आज से साठ वर्ष पुरानी है।

भारत की उत्तरी सीमा, लद्दाख का जनहीन क्षेत्र 15,000 फिट से ऊंचे बर्फ से ढके पर्वतों, दर्रों के बीच जहां कि सामान्य नागरिक सुविधाओं के उपलब्ध होने की कल्पना तक नहीं की जा सकती, वहां सदैव की भांति उस दिन भी देश की सीमा के सजग प्रहरी ''केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल'' के जवान अपने नियमित गश्त पर निकले थे। गश्त के दौरान अचानक उन्हें लगा कि वे शत्रु से घिर चुके हैं। चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में आकर हमारे ही सिपाहियों को पकड़ने के लिये एम्बुश लगाया था। चीनियों ने दावा किया कि वह क्षेत्र उनका है पर भारतीय पुलिस के जवान, जो कि अपने परिजनों को छोड़ सुख–सुविधा से दूर उस निर्जन क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा का प्रण लेकर आये थे, अपनी मातृभूमि का एक इंच टुकड़ा भी शत्रु को कैसे सौंप देते। प्राण देकर भी मातृभूमि की रक्षा करने की भारतीय बहादुरों की परम्परा पर उन्होंने आंच नहीं आने दी तथा साधारण शस्त्रों के सहारे ही ये जवान स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनी सैनिकों से भिड़

गये। इस प्रकार भारतीय पुलिस के दस बहादुर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी।

इस घटना का समाचार पाकर सारा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। 21 अक्टूबर, 1959 का यह दिन हमारे जवानों की प्रेरणा का एक अनन्य श्रोत बन गया। मातृभूमि की रक्षा के लिये प्राणों का भी उत्सर्ग कर देने वाले बहादुरों का बलिदान सदैव हमें अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। इन्हीं वीर जवानों की याद में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को सम्पूर्ण भारत के पुलिस जन वीरगति को प्राप्त हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ''शत्–शत् नमन'' उन बहादुरों को जिनके लिये कर्तव्य पालन प्राणों से भी अधिक प्रिय रहा।

आजादी के पश्चात् 21 अक्टूबर 2018 तक 34,844 पुलिस जवान कर्तव्यपालन के दौरान शहीद हुए हैं। जिनमें अपराध नियंत्रण एवं कानून–व्यवस्था बनाये रखने में भी बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। इन सभी शहीदों को याद करते हुए गत वर्ष 21 अक्टूबर को माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय पुलिस स्मारक' राष्ट्र को समर्पित किया गया।

दिनांक 01 सितम्बर 2018 से 31 अगस्त 2019 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत में 292 पुलिसजनों द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपनी जीवनाहुतियां दी गई हैं, जिसमें आंध्रप्रदेश–02, अरूणाचल प्रदेश–03, बिहार–07, छत्तीसगढ़–14, हरियाणा–03, हिमाचल प्रदेश–01, जम्मू कश्मीर–24, झारखण्ड–05, कर्नाटक–12, मध्य प्रदेश–02, महाराष्ट्र–20, मणिपुर–02, ओडीशा–02, राजस्थान–10, सिक्किम–01, त्रिपुरा–01, उत्तर प्रदेश–05, उत्तराखण्ड–01, पश्चिम बंगाल–07, दिल्ली–10, आसाम राइफल–03 बीएसएफ–41, सीआईएसएफ–06, सीआरपीएफ–67, आईटीबीपी–23, एसएसबी–05, एनडीआरएफ–04 एवं आरपीएफ–11 जवान सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिसजन इनके महान कर्तव्यपालन व अप्रतिम बलिदान की सराहना में नतमस्तक हैं और अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

◆◆◆

## दिनांक 01.09.2018 से 31.08.2019 तक की अवधि में कर्तव्यपथ पर शहीद हुए पुलिस कर्मियों की शौर्य गाथा से सम्बन्धित प्रमुख घटनायें

### 1. स्व0 श्री सुबोध कुमार सिंह, निरीक्षक–982510304 ना0पु0, जनपद– बुलन्दशहर

दिनांक 03.12.2018 को जनपद बुलन्दशहर के थाना स्याना क्षेत्र के अन्तर्गत गांव महाव के जंगल में गोकशी की घटना की सूचना प्राप्त होने पर श्री सुबोध कुमार सिंह प्रभारी निरीक्षक स्याना मय फोर्स के शान्ति व्यवस्था ड्यूटी हेतु ग्राम महाव पहुॅचे। गांव में बड़ी संख्या में लोग एकत्रित होकर उपद्रव कर रहे थे। प्रभारी निरीक्षक द्वारा काफी समझाया गया किन्तु वे लोग नहीं माने और पथराव कर दिया। चौकी चिंगरावठी के सामने एकत्रित भीड़ जाम लगाकर हिंसात्मक कार्यवाही करने लगी। मौके पर मौजूद अधिकारियों द्वारा दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने की बात कहते हुये भीड़ को काफी समझाया गया। किन्तु इसके बाद भी भीड़ उग्र हो गयी और अवैध असलहों, धारदार हथियारों आदि से जान से मारने की नियत से हमला कर दिया। राजकीय व प्राइवेट सम्पत्तियों को आग लगा दी गयी। शान्ति एवं कानून–व्यवस्था बनाये रखने हेतु श्री सुबोध कुमार सिंह भीड़ में घुसकर लोगों को समझाया–बुझाया गया, किन्तु उपद्रवियों ने इनको गोली मार दी, जिससे उनकी मृत्यु हो गयी ।

सुबोध कुमार सिंह

इस प्रकार श्री सुबोध कुमार सिंह, निरीक्षक द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी गयी ।

**2. स्व0 श्री सुरेश प्रताप सिंह, मुख्य आरक्षी ना0पु0–892031162, जनपद गाजीपुर।**

दिनांक 29.12.2018 को थानाध्यक्ष करीमुद्दीनपुर अन्य साथियों के साथ शान्ति व्यवस्था ड्यूटी में थे। थाना नोनहरा पुलिस चौकी अटवामोड़ बाजार के आगे गाजीपुर मार्ग पर पहुँचे तभी आर0टी0 सेट से सूचना प्राप्त हुई कि उपद्रवियों द्वारा हाथ में बैनर झण्डा व लाठी डण्डा लेकर जाम लगाया गया है। पुलिस टीम द्वारा उपद्रवियों को समझाने बुझाने का प्रयास किया गया, किन्तु उपद्रवियों द्वारा जान से मारने की नियत से एवं वाहनों को क्षतिग्रस्त करने हेतु लगातार पथराव किया जाने लगा। इस पथराव में मुख्य आरक्षी सुरेश प्रताप सिंह के सिर पर गम्भीर चोट लगी तथा वह गिर पड़े। इन्हें जिला चिकित्सालय गाजीपुर लाया गया, जहां पर इनकी मृत्यु हो गयी।

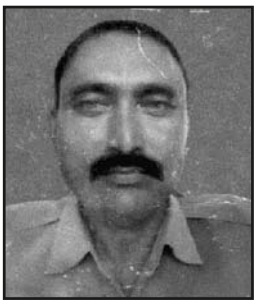
सुरेश प्रताप सिंह

इस प्रकार श्री सुरेश प्रताप सिंह मुख्य आरक्षी ना0पु0 द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

**3. स्व0 श्री हर्ष चौधरी, आरक्षी–162552892, जनपद–अमरोहा**

दिनांक 27.01.2019 को प्रभारी निरीक्षक, बछरायूँ जनपद अमरोहा मय फोर्स के शान्ति व्यवस्था एवं तलाश वांछित अपराधी हेतु रवाना हुये। घण्टाघर चौराहे पर पहुंचने पर मुखबिर खास ने बताया कि यहाँ से थोड़ा आगे जंगल में कुख्यात हिस्ट्रीशीटर शिव औतार उर्फ शिविया ईख के खेत में अपने साथियों का इंतजार कर रहा है। अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस बल

हर्ष चौधरी

की दो टीमें बनाकर प्रभारी निरीक्षक की टीम कच्चे रास्ते से तथा द्वितीय टीम ट्यूबबेल के पीछे की तरफ से दबे कदमों से आगे बढ़े। पुलिस को आता देख अपराधी अचानक फायर करता हुआ गेहूं के खेत की ओर भागा। पुलिस बल द्वारा पीछा करने पर ईख के खेत में घुसकर पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने लगा। प्रथम पार्टी में शामिल आरक्षी हर्ष चौधरी द्वारा अपनी जान की परवाह न करते हुये अदम्य साहस, शौर्य एवं वीरता का परिचय देते हुए आगे बढ़कर इसका पीछा किया गया। इसी बीच आरक्षी हर्ष चौधरी पर खेत में छिपे बदमाश ने अचानक जान से मारने की नीयत से सामने से फायर कर दिया। बदमाश की गोली से घायल होकर आरक्षी हर्ष चौधरी गिर पड़े। आरक्षी हर्ष चौधरी को उपचार हेतु टी0ए0एम0यू0 मुरादाबाद अस्पताल में लाने पर डाक्टरों द्वारा आरक्षी को मृत घोषित कर दिया गया। इसी बीच प्रभारी निरीक्षक एवं अन्य पुलिस टीम फायर करते हुये आगे बढ़े। जवाबी कार्यवाही में गन्ने के खेत से बदमाश की तरफ से फायरिंग होना बंद हो गयी। आगे बढ़कर देखा कि बदमाश घायल अवस्था में पड़ा है, जिसे चिकित्सालय सी0एच0सी0 धनौरा रवाना किया गया।

इस प्रकार श्री हर्ष चौधरी, आरक्षी द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

**4. स्व0 श्री हरेन्द्र सिंह, आरक्षी–812640672, जनपद सम्भल।**

**5. स्व0 श्री बृजपाल सिंह, आरक्षी–142530218, जनपद सम्भल।**

दिनांक 17.07.2019 को आरक्षी हरेन्द्र सिंह व आरक्षी बृजपाल सिंह अन्य पुलिस कर्मियों के साथ 21 मुल्जिमों को पेशी हेतु जनपद मुरादाबाद कारागार से न्यायालय चन्दौसी ले जाया

गया था। पेशी के उपरान्त 21 पुराने मुल्जिम व न्यायालय में आत्मसमर्पण करने वाले 03 नये मुल्जिमों को अर्थात कुल 24 मुल्जिमों को लेकर वापस जिला कारागार मुरादाबाद दाखिल करने हेतु ले जा रहे थे। समय 17.20 बजे थाना बनियाठेर क्षेत्रान्तर्गत धन्नूमल तिराहे के आगे चन्दौसी ग्रीन के पास अभियुक्त शकील पुत्र नूर मोहम्मद, कमल पुत्र जंग बहादुर, धर्मपाल पुत्र देशराज द्वारा गाड़ी में पीछे बैठे आरक्षी गणों की आंखों मे मिर्ची पाउडर डालकर फायरिंग की गयी। इस फायरिंग में गोली लगने से आरक्षी हरेन्द्र सिंह एवं आरक्षी बृजपाल सिंह गम्भीर रूप से घायल हो गये। इन्हें उपचार हेतु ले जाते समय रास्ते में दोनों आरक्षियों की मृत्यु हो गयी।

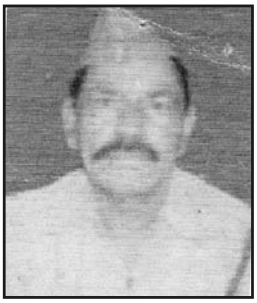
हरेन्द्र सिंह

बृजपाल सिंह

इस प्रकार श्री हरेन्द्र सिंह, आरक्षी व श्री बृजपाल सिंह, आरक्षी द्वारा अदम्य साहस का परिचय देते हुए कर्तव्यपथ पर आत्मोत्सर्ग किया गया।

◆◆◆

# Police Commemoration Day
## October 21st, 2019

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| | **ANDHRA PRADESH** | |
| 1- | CONST-4325 | K RAJENDHRA PRASAD |
| 2- | CONST-1070 | K ASHOK KUMAR |
| | **ARUNACHAL PRADESH** | |
| 3- | HC | KHUNDONG SIKS |
| 4- | CONST | PONHANG AGI |
| 5- | CONST(DRIVER) | ANIL HIBA |
| | **BIHAR** | |
| 6- | SI | ASHISH KUMAR SINGH |
| 7- | SI(T) | RATAN KUMAR CHAUDHARY |
| 8- | SI | MITHILESH KUMAR SAH |
| 9- | HAWALDAR | VISHWA URAWN |
| 10- | CONST-1776 | MUKESH KUMAR |
| 11- | CONST-6674 | PRABHAKAR RAJ |
| 12- | CONST-1163 | MD. FARUKH ALAM |
| | **CHHATTISGARH** | |
| 13- | SI | RUDRAPRATAP SINGH |
| 14- | HC-679 | CHHAGAN KULDEEP |
| 15- | HC-713 | RAMLAL OYAMI |
| 16- | CONST-03 | SAYABU RAM LEKAM |
| 17- | CONST-557 | GYANDHAR PRADHANI |
| 18- | CONST-1228 | MANDVI JOGA |
| 19- | CONST-125 | (DVR)DANTESWAR MAURYA |
| 20- | CONST-205 | SOMDU RAM KAWASI |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 21- | CONST-1350 | ARVIND MINJ |
| 22- | ASSTT CONST-246 | MANGLU RAM MANDAVI |
| 23- | ASSTT CONST-239 | RAKESH KUMAR KAUSHAL |
| 24- | ASSTT CONST-573 | KUHRAM DARA |
| 25- | ASSTT CONST-190 | SUKKU HAPKA |
| 26- | ASSTT CONST-1162 | CHAITURAM KADATI |
| | **HARYANA** | |
| 27- | SI-384/RWR | RANBIR SINGH |
| 28- | EASI-506/AMB | SURESH KUMAR |
| 29- | HC-2/92/IRB | YASHPAL |
| | **HIMACHAL PRADESH** | |
| 30- | INSPECTOR(5th IRB) | SARDARI LAL |
| | **JAMMU & KASHMIR** | |
| 31- | DY-SP-JKPS 116077 | AMAN KUMAR THAKUR |
| 32- | DY. SP-EXJ906015 | BODH RAJ |
| 33- | INSPECTOR-EXK026320 | ARSHAD KHAN |
| 34- | SI-EXK109280 | IMTIYAZ AHMAD |
| 35- | HC-EXK911760 | MUZAFFER AHMAD DAR |
| 36- | HC-EXK085796 | AB RASHID KALAS |
| 37- | SGCT-ARP 961676 | NISAR AHMAD |
| 38- | SGCT-EXK971459 | REYAZ AHMAD |
| 39- | SGCT-EXK983867 | PARVEZ AHMAD MIR |
| 40- | SGCT-EXK983964 | HILAL AHMAD KHAN |
| 41- | SGCT-EXK003157 | A B MAJEED GANIE |
| 42- | SGCT-EXK007185 | GH MUSTAFA |
| 43- | SGCT-EXK118868 | NASEER AHMAD KOLIE |
| 44- | SGCT-ARP085534 | KAMAL KISHORE |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 45- | CONST-ARP07875 | SHABNAM YOUSUF |
| 46- | CONST-EXK116502 | MEHRAJ UD DIN |
| 47- | CONST-EXK117070 | FAROOQ AHMAD RESHI |
| 48- | CONST-EXJ117515 | RAJINDER KUMAR |
| 49- | CONST-EXK166157 | ARSHID GUL |
| 50- | CONST-EXK166657 | ANEES AHMAD MIR |
| 51- | CONST-EXK175995 | SAQIB MOHI UD DIN |
| 52- | CONST-EXK175443 | HAMIDULLAH GANIE |
| 53- | FOLL-ARP127664 | JAVID AHMAD LONE |
| 54- | FOLL-EXKI56241 | FIRDOUS AHMAD |
| | **JHARKHAND** | |
| 55- | ASI | GOVARDHAN PASWAN |
| 56- | ASI | MANODHAN HANSADA |
| 57- | CONST-405 | DHANESWAR MAHTO |
| 58- | CONST-1005 | DIBRU PURTI |
| 59- | CONST-1068 | YUDHISHTHIR MALUVA |
| | **KARNATAKA** | |
| 60- | SI | VEERAPPA TAATAPPA LATTI |
| 61- | ASI | RACHAPPA |
| 62- | CHC-315 | PRUSHOTAMA S N |
| 63- | AHC-18482 | RAJU S ELIVALA |
| 64- | CPC-16587 | KRISHNA SAIDU SURAGON D |
| 65- | CPC-1066 | CHANDRAPPA Y |
| 66- | CPC-2555 | K K ANADA |
| 67- | CPC-1333 | D H DEVAKHATE |
| 68- | CPC-3028 | JAGADEESH H |
| 69- | APC-281 | MAHESH LAMANI |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 70- | APC-57 | Y C ILAGER |
| 71- | APC-42 | SHIVAPRAKASH VEERAYYA LOOTIMATH |
| | **MADHYA PRADESH** | |
| 72- | HC-300 | UMESH BABU |
| 73- | CONST-152 | BRAJESH RAWAT |
| | **MAHARASHTRA** | |
| 74- | SI | CHHATRAPATI KISAN CHIDE |
| 75- | ASI-573 | SHANTILAL CHUNNILAL PATEL |
| 76- | ASI-573 | KEVALRAM HIRAMAN YELORE |
| 77- | HC-906 | RAJENDRA BAJIRAO KUDMETHE |
| 78- | CONST-1328 | PRAKASH JAIRAM MESHRAM |
| 79- | CONST-5367 | AGRAMAN BAKSHI RAHATE |
| 80- | CONST-5078 | PURANSHAH PRATASPSING DUGGA |
| 81- | CONST-3544 | KISHOR YASHWANT BOBATE |
| 82- | CONST-5095 | LAXMAN KESHAV KODAP |
| 83- | CONST-3787 | YOGAJI SITARAM HALAMI |
| 84- | CONST-3487 | PRAMOD MAHADEV BHOYAR |
| 85- | CONST-5113 | AMRUT PRABHUDAS BHADADE |
| 86- | CONST-3534 | RAJU NARAYAN GAIKWAD |
| 87- | CONST-3714 | BHUPESH PANDURANG WALODE |
| 88- | CONST-3706 | DAYANAND TAMRADHWAJ SAHARE |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 89- | CONST-3564 | SANTOSH DEVIDAS CHAVHAN |
| 90- | CONST-2646 | SAHUDAS BAJIRAO MADAVI |
| 91- | CONST-5914 | NITIN TILAKCHAND GHODMARE |
| 92- | CONST-3721 | TAUSIF ARIF SHEIKH |
| 93- | CONST-3641 | SARJERAO EKANATH KHARDE |
| | **MANIPUR** | |
| 94- | HAVALDAR-23102 | S SOMI |
| 95- | RFN-132001296 | HUIDROM MODAI SINGH |
| | **ODISHA** | |
| 96- | HAVALDAR MAJOR | SUJIT KUMAR MINZ |
| 97- | QAPF-137 | JAYARAM KABASI |
| | **RAJASTHAN** | |
| 98- | INSPECTOR | MUKESH KUMAR KANUNGO |
| 99- | SI | SUMER SINGH |
| 100- | ASI | KALYAN PRASAD MATHUR |
| 101- | CONST-1049 | RAM PRAKASH |
| 102- | CONST-1149 | SHASHI KANT |
| 103- | CONST-1376 | HARI SINGH |
| 104- | CONST-1752 | BALRAM MEENA |
| 105- | CONST-879 | VISHVENDRA SINGH CHAUDHARY |
| 106- | CONST-1129 | ROSHAN LAL |
| 107- | CONST-648 | RAJESH KUMAR |
| | **SIKKIM** | |
| 108- | CONST | MINGURE TSHERING LEPCHA |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| | **TRIPURA** | |
| 109- | RFN/GD-06020331 | PALASH JYOTI DEWAN |
| | **UTTAR PRADESH** | |
| 110- | INSP. CP-982510304 | SUBODH KUMAR SINGH |
| 111- | HC CP-892031162 | SURESH PRATAP SINGH |
| 112- | CONST-142530218 | BRAJPAL SINGH |
| 113- | CONST-812640672 | HARENDRA SINGH |
| 114- | CONST-162552892 | HARSH CHAUDHARY |
| | **UTTARKHAND** | |
| 115- | CONST-779 | YOGRAJ |
| | **WEST BENGAL** | |
| 116- | SI | SUBIR KUMAR NATH |
| 117- | ASI-996 | DIPANKAR SAHA |
| 118- | ASI(AB)-2700 | KAJAL DAS |
| 119- | ASI-11707 | BISWESWAR CHANDRA ROY |
| 120- | CONST-727 | MD.SABIR ALAM |
| 121- | CINST-1944 | CHANDU SARDAR |
| 122- | SEPOY-4482 | BISWAJIT MUKHERJEE |
| | **DELHI** | |
| 123- | SHI/EXE-2488/D | OMVIR SINGH |
| 124- | ASI/EXE-566/T | JITENDER SINGH |
| 125- | ASI-5125/D | SURENDER |
| 126- | HC/EXE-9/A | UDAY SINGH |
| 127- | HE/EXE-2305/RD | MAHAVIR |
| 128- | HE/EXE-313 | RAJPAL SINGH KASANA |
| 129- | HC/EXE-858/DW | GULJHARI LAL |
| 130- | CONST/EXE-2456/DAP | KULDEEP SINGH |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 131- | CONST-1784/DW | PRADEEP YADAV |
| 132- | CONST/EXE-1483/W | SUNNY |
| | **ASSAM RIFLES** | |
| 133- | NAIB SUBENDAR/GD-JC-2850827A | DINA NATH RAM |
| 134- | RFN/GD-G/2901799K | CHAMPESWAR MAHAKHUD |
| 135- | RFN/GD-G/2851737L | KALIDAS SARMA |
| | **BSF** | |
| 136- | DC-40695037 | MOHANA RAM MOOND |
| 137- | AC-11111993 | JABAR SINGH |
| 138- | AC-11112938 | VINAY PRASAD |
| 139- | INSPECTOR/GD-113100574 | TALEX LALMINLUN |
| 140- | INSPECTOR/JE-131116436 | VISHAL KUMAR RAI |
| 141- | INSPECTOR/GD-100099931 | SADHU SANJAY KUMAR MOHAN BHAI |
| 142- | SI/GD-837220031 | NAOREM KAUSHA SINGH |
| 143- | SI/GD-133305201 | MAHENDRA SINGH |
| 144- | ASI/GD-871088606 | BIPUL BORAH |
| 145- | ASI/GD-870030879 | RAJESH KUMAR |
| 146- | HC/GD-901210528 | SANATAN SOREN |
| 147- | HC/GD-904992252 | C SREENIVASULU |
| 148- | HC/GD-910070922 | ATMA SINGH |
| 149- | HC/GD-901728762 | NARENDER KUMAR |
| 150- | HC/GD-940080892 | ARUN KUMAR GOYAL |
| 151- | HC/RO-143500966 | PRINS KUMAR |
| 152- | CONST/BB-865770060 | SAMAY PRASAD |
| 153- | CONST/GD-071090614 | DEBASHIS ROY SARKAR |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 154- | CONST/GD-124527564 | PUSHPENDER SINGH |
| 155- | CONST/GD-102551046 | GOPAL YADAV |
| 156- | CONST/GD-0842203499 | KAJAL MONDAL |
| 157- | CONST/GD-094990669 | AJIT KUMAR SINGH |
| 158- | CONST/GD-120907948 | PROSENJIT BISWAS |
| 159- | CONST/GD-040090407 | MANU K G |
| 160- | CONST/GD-12051020 | JAGPRIT SINGH |
| 161- | CONST/GD-001013089 | SHAIK SHAHID PASHA |
| 162- | CONST/GD-084030108 | GIRWAR SINGH SHEKHAWAT |
| 163- | CONST/GD-101560904 | TUMESHWAR |
| 164- | CONST/GD-096667589 | DHARMENDRA SINGH |
| 165- | CONST/GD-041630026 | RAJENDRA GAUTAM |
| 166- | CONST/GD-151002894 | GOPAL YADAV |
| 167- | CONST/GD-045442924 | SUBAN SARKAR |
| 168- | CONST/GD-140810570 | S RAMAKRISHNA |
| 169- | CONST/GD-133301922 | ISHRAR KHAN |
| 170- | CONST/GD-032540642 | SANOJ KUMAR |
| 171- | CONST/GD-021951152 | SUBIR PAL |
| 172- | CONST/GD-170400097 | AMIT SHARMA |
| 173- | CONST/GD-124536331 | NISHANT KUMAR |
| 174- | CONST/UPHTR-11128008 | RANVIR SINGH |
| 175- | CONST/GD-115444560 | MAHESH |
| 176- | WC/NC-850020166 | RAMJIT |

**CISF**

| | | |
|---|---|---|
| 177- | SI/EXE-082310046 | MAHAVEER PRASAD GODARA |
| 178- | ASI/EXE-814481208 | RAJENDRA PRASAD |
| 179- | HC/GD-094350074 | DINANKAR MUKHOPADHYAY |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 180- | HC/GD-901403137 | NIRMAL TIGGA |
| 181- | CONST/GD-942298103 | DILIP KUMAR TIWARI |
| 182- | CONST/GD-120802962 | PANKAJ KUMAR |
| | **CRPF** | |
| 183- | ASSTT. COMDT-10316 | GHULAM JEELANI KHAN |
| 184- | INSPECTOR/GD-091530012 | PINTU KUMAR SINGH |
| 185- | SI/GD-165120043 | RAUSHAN KUMAR |
| 186- | ASI/GD-871312705 | MIR MATUIR RAHMAN |
| 187- | ASI/GD-881170076 | MOHAN LAL |
| 188- | ASI/GD-871241434 | NIROD SHARMA |
| 189- | ASI/GD-901180235 | RAMESH KUMAR |
| 190- | ASI/GD-880984258 | MAHADEV P |
| 191- | ASI/GD-881331182 | MADAN PAL SINGH |
| 192- | HC/DVR-961260401 | R B M BEHRA |
| 193- | HC/GD-871181031 | CHANDRIKA PRASAD |
| 194- | HC/GD-941150816 | MANESWAR BASUMATARI |
| 195- | HC/GD-930110783 | SANJAY KUMAR SINHA |
| 196- | HC/GD-973363814 | NASEER AHMAD |
| 197- | HC/GD-933180149 | VIJAY SORENG |
| 198- | HC/GD-961270317 | SANJAY RAJPUT |
| 199- | HC/GD-921261471 | PRASANNA KUMAR SAHHO |
| 200- | HC/DVR-930540145 | JAIMAL SINGH |
| 201- | HC/GD-015011689 | HEMRAJ MEENA |
| 202- | HC/CRY-031426892 | NARAYAN LAL GURJAR |
| 203- | HC/GD-991233874 | BABLU SANTRA |
| 204- | HC/GD-005182936 | RAM VAKEEL |
| 205- | HC/RO-105028003 | AWADHESH KUMAR YADAV |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 206- | HC/GD-911182721 | S N SINGH YADAV |
| 207- | HC/GD-91050402 | SHASHI KANT TIWARI |
| 208- | HC/GD-951400627 | HARISH CHANDRA PAL |
| 209- | HC/GD-921220142 | SAJU O P |
| 210- | CONST/GD-135052719 | UMESH M HELAVAR |
| 211- | CONST/GD-175140848 | CHATTI PRAVEEN |
| 212- | CONST/GD-175412269 | GULLI PALLI SRINU |
| 213- | CONST/GD-061771655 | SANJIT KUMAR HARIJAN |
| 214- | CONST/GD-115050445 | GURU H |
| 215- | CONST/GD-015242138 | VASANTHA KUMAR V V |
| 216- | CONST/GD-075005505 | MAHESH KUMAR MEENA |
| 217- | CONST/GD-115204167 | RATAN KUMAR THAKUR |
| 218- | CONST/GD-115232517 | TILAK RAJ |
| 219- | CONST/GD-175061815 | ASHVNI KUMAR KAOCHI |
| 220- | CONST/GD-055211785 | RATHOD NITIN SHIVAJI |
| 221- | CONST/GD-065045719 | MANOJ KUMAR BEHRA |
| 222- | CONST/GD-031492341 | SUKHJINDER SINGH |
| 223- | CONST/GD-145235853 | KULWINDER SINGH |
| 224- | CONST/GD-175230865 | MANINDER SINGH ATTRI |
| 225- | CONST/GD-105010869 | JEET RAM |
| 226- | CONST/GD-125265089 | BHAGIRATH SINGH |
| 227- | CONST/GD-135000914 | ROHITASH LAMBA |
| 228- | CONST/GD-105032935 | C SIVACHANDRAN |
| 229- | CONST/GD-145035007 | SUBRAMANIAN G |
| 230- | CONST/GD-041708355 | VIRENDRA SINGH |
| 231- | CONST/GD-140680582 | SUDIP BISWAS |
| 232- | CONST/GD-035183458 | PRADEEP SINGH |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 233- | CONST/GD-031487241 | PRADEEP KUMAR |
| 234- | CONST/GD-075185112 | AJIT KUMAR AZAD |
| 235- | CONST/GD-075185157 | SHYAM BABU |
| 236- | CONST/BUG-086160173 | VIJAY KUMAR MAURYA |
| 237- | CONST/DVR-125181801 | PANKAJ KUMAR TRIPATHI |
| 238- | CONST/GD-175022632 | MAHESH KUMAR |
| 239- | CONST/GD-175022703 | RAMESH YADAV |
| 240- | CONST/COOK-913040567 | KOUSHAL KUMAR RAWAT |
| 241- | CONST/WM-175265214 | AMIT KUMAR |
| 242- | CONST/GD-041726585 | VINOD KUMAR |
| 243- | CONST/GD-155133447 | BISWAJIT CHOWHAN |
| 244- | CONST/GD-105022431 | MAHESH KUMAR KUSHWAHA |
| 245- | CONST/GD-105060671 | SANDEEP YADAV |
| 246- | CONST/GD-105261524 | SATENDRA KUMAR |
| 247- | CONST/GD-115161549 | SUNIL KALITA |
| 248- | CONST/GD-175106632 | RAUSHAN KUMAR |
| 249- | CONST/GD-115203758 | JINTENRA KUMAR |

**ITBP**

| | | |
|---|---|---|
| 250- | SI/GD-870160324 | PRITHVI SINGH |
| 251- | SI/GD-890200989 | FAKIRUL ISLAM |
| 252- | ASI/GD-880170253 | MOHAN SINGH |
| 253- | ASI/GD-908030147 | SANJIT KUMAR |
| 254- | ASI/GD-910050028 | PRASADI LAL MEENA |
| 255- | ASI/GD-890203507 | RAMAKANT TIWARI |
| 256- | HC/PNR-080040438 | ASHUTOSH KUMAR |
| 257- | HC/GD-900230122 | ALEL SINGH |
| 258- | HC/GD-020200147 | RAM NOMI |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| 259- | HC/MED-020092204 | SURYAKANT SINGH PANWAR |
| 260- | HC/GD-907040996 | GANGA PRASAD |
| 261- | HC/AT-077023545 | RAVINDER SINGH |
| 262- | CONST/DVR-097021813 | JITENDRA KUMAR |
| 263- | CONST/DVR-077020821 | RAKESH KUMAR |
| 264- | CONST/GD-150340338 | SAYANARAYAN YADAV |
| 265- | CONST/GD-070350907 | MD AHMAD ALI ANSARI |
| 266- | CONST/PNR-160520106 | VIJENDRA |
| 267- | CONST/GD-080390885 | S MONI KANDAN |
| 268- | CONST/GD-070191025 | VISHAL KUMAR HEER |
| 269- | CONST/AT-077022979 | VINOD KUMAR PAL |
| 270- | CONST/GD-070363458 | C SAMA HEMRAJ BHAI |
| 271- | CONST/MED-070323616 | HARISH SINGH DHAMI |
| 272- | CONST/GD-130430672 | DEVENDRA SINGH |
| | **SSB** | |
| 273- | HC/GD-0691831 | SIKANDER YADAV |
| 274- | CONST/GD-080167333 | ROHITASH KUMAR YADAV |
| 275- | CONST/GD-11019081 | VIJAY KUMAR |
| 276- | CONST/GD-100630995 | RAYAZ AHMAD GOJAR KHATANA |
| 277- | CONST/GD-140992165 | NIRAJ CHETRY |
| | **NDRF** | |
| 278- | DC-920120198 | DIGVIJAY SINGH |
| 279- | SI/GD-13140198 | DORJEE PHUNTSO |
| 280- | CONST/DVR-120720774 | ABHILASH U S |
| 281- | CONST/GD-041630026 | RAJENDRA GAUTAM |

| S.No. | Rank | Late S/Sri |
|---|---|---|
| | | **RPF** |
| 282- | ASI | BHASKAR CHANDRA PATRA |
| 283- | ASI | VISHRAM |
| 284- | HC | RAJESH SUKHDEV PARDHE |
| 285- | HC | CHANDRAKANT TRIMBAK ADHALKAR |
| 286- | HC | KALADHAR MISHRA |
| 287- | HC | JAGBIR SINGH |
| 288- | HC | FATIK MONDAL |
| 289- | CONST | SANJAY KUMAR |
| 290- | CONST | JAGBIR SINGH |
| 291- | CONST | A R S SRINIVASA RAO |
| 292- | CONST | MD KAUSA ALI |

◆◆◆

# The Last Post - A True Story

Reportedly, it all began in 1862 during the American Civil War, when Union Army Captain Robert Ellicombe was with his men near Harrison's Landing in Virginia. The Confederate Army was on the other side of the narrow strip of land.

During the night, Captain Ellicombe heard the moans of a soldier who lay severely wounded on the field. Not knowing if it was a Union or Confederate soldier, the Captain decided to risk his life and bring the stricken man back for medical attention. Crawling on his stomach through the gunfire, the Captain reached the stricken soldier and began pulling him toward his encampment.

When the Captain finally reached his own lines, he discovered it was actually a Confederate soldier, but the soldier was dead.

The Captain lit a lantern and suddenly caught his breath and went numb with shock. In the dim light, he saw the face of the soldier. It was his own son. The boy had been studying music in the South when the war broke out. Without telling his father, the boy enlisted in the Confederate Army.

The following morning, heartbroken, the father asked permission of his superiors to give his son a full military burial, despite his enemy status. His request was only partially granted.

The Captain had asked if he could have a group of Army band members play a funeral dirge for his son at the funeral.

The request was turned down since the soldier was a Confederate.

But, out of respect for the father, they did say they could give him only one musician.

The Captain chose a bugler. He asked the bugler to play a series of musical notes he had found on a piece of paper in the pocket of the dead youth's uniform.

This wish was granted.

The haunting melody, we now know as 'The Last Post' used at military funerals was born.

Contributed by
**Sri. S.N. Singh**
ADG (Rtd)

# 'अन्तिम धुन' – वास्तविक कहानी

यह गाथा है सन् 1862 के अमेरिकी गृह युद्ध के समय की जब यूनियन आर्मी सेना के कप्तान राबर्ट इलिकोम्बे अपने साथियों के साथ वर्जीनिया के हैरीसन लैंडिग के निकट थे तथा सामने दूसरी तरफ थी कानफेडरेट आर्मी।

युद्ध क्षेत्र में रात्रि के समय कैप्टन इलिकोम्बे ने एक सैनिक के कराहने की आवाज सुनी जो बुरी तरह जख्मी था। यह जाने बिना कि घायल सैनिक यूनियन आर्मी का है अथवा कानफेडरेट आर्मी का, कैप्टन ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए घायल सैनिक के चिकित्सीय मदद का निर्णय लिया। गोलाबारी के बीच रेंगते हुए कैप्टन घायल सैनिक तक पहुंच कर उसे अपने कैम्प की तरफ लाने लगा।

जब कैप्टन अन्ततः अपने कैम्प की सीमा में पहुंचा तब पाया कि वास्तव में वह एक कानफेडरेट सैनिक था, परन्तु वह सैनिक मर चुका था।

कैप्टन ने एक लालटेन जलाई और उसकी मद्धिम रोशनी में उक्त सैनिक का चेहरा देखा तो सदमे से सन्न रह गया। वह उसका अपना ही पुत्र था।

जब युद्ध शुरू हुआ तो वह लड़का 'साउथ' में संगीत का अध्ययन कर रहा था। अपने पिता को बिना बताये वह कानफेडरेट आर्मी में भर्ती हो गया था।

अगले दिन सुबह शत्रु सेना के लिये शहीद अपने पुत्र के शव को पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ दफनाने के लिये अपने रूंधे हुए गले से वरिष्ठ अधिकारियों से कैप्टन ने अनुमति मांगी। उसके आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

कैप्टन ने अपने पुत्र के अन्तिम संस्कार के समय आर्मी बैण्ड समूह द्वारा शोक धुन बजाये जाने की अनुमति मांगी।

कानफेडरेट आर्मी का सैनिक होने के कारण उसके आग्रह को अस्वीकार कर दिया गया। परन्तु पिता के सम्मान को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने बैण्ड के एक सदस्य को देने की अनुमति दी। कैप्टन ने एक 'बिगुलर' को चुना। कैप्टन ने मृत युवा सैनिक की वर्दी की जेब से मिले पत्र में लिखित संगीत श्रृंखला की धुन बजाने के लिये कहा। कैप्टन की यह इच्छा मान ली गयी।

यह वही 'अन्तिम धुन' है जो आज भी शहीद सैनिकों के सम्मान में गुंजायमान होती है।

◆◆◆

# The Last Post

*Day is done*
*Gone the sun*
*From the lakes*
*From the hills*

*From the sky*
*All is well*
*Safely rest*
*God is nigh*

*Fading light*
*Dims the sight*
*And a star*
*Gems the sky*
*Gleaming bright*
*From afar*
*Drawing nigh*
*Falls the night*

*Thanks and praise*
*For our days*
*Neath the sun*
*Neath the stars*
*Neath the sky*
*As we go*
*This we know*
*God is nigh.*

# अन्तिम धुन

बीत गया दिन।
सूरज चला गया
झीलों से, पहाड़ों से,
और आसमान से।
सब कुछ है ठीकठाक
रहो आराम से
ईश्वर है पास ही।

धुंधलाती रोशनी से
मद्धिम हुई दीठ।
तब एक तारा, विराजा आसमान में
चमक बिखेरता हुआ
वो बहुत दूर से, खींचता हुआ पास।
गहरा रही रात।

शुक्रिया और साधुवाद–
दिन जो हमारे रहे
नीचे सूरज के
और सितारों के
और आसमान के।
जभी हम चलते हैं
जानते हैं इसे
ईश्वर है पास ही।

**हिन्दी अनुवाद–श्री आनन्द सिंह**
**aanandksingh@gmail.com**

"इतनी सी बात हवाओं को बताये रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाये रखना,
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने,
ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाये रखना।"

शहीद पुलिस परिजनों से मिलते हुए
मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र.

Printed at : Prakash Packagers, 257 Golaganj, Lko. 0522-2200425